पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष के मामले में सर्वसमाज ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार

पुलिस अधीक्षक कार्यालय के बाहर धरना दे सर्व समाज के प्रतिनिधियों ने सौंपा ज्ञापन

नवभारत न्यूज

सतना, 9 अक्टूबर. भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष सतीश शर्मा के ऊपर लगाए गए आरोपों के आधार पर पुलिस द्वारा की गई एफआईआर को लेकर सर्व समाज ने आपत्ति करते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है. इस मौके पर श्री शर्मा के माता-पिता भी उपस्थित थे.

उल्लेखनीय है कि मंगलवार को मामला दर्ज होने के बाद अलग थलग पड़े भाजपा पूर्व अध्यक्ष श्री शर्मा ने वीडियो के माध्यम से सोशल मीडिया में अपना पक्ष प्रस्तुत कर इस बात के संकेत दिये थे कि उन्हें किसी राजनैतिक साजिश के तहत इस प्रकार के प्रकरण में फसाया जा रहा है. इसके बाद प्रकरण दर्ज होने में जिस प्रकार की गतिविधियां स्पष्ट हुईं उससे इस साजिश में उच्च हस्ताक्षेप की गंध आ रही है. उन्होंने इस मामले में लोगों से अप्रत्यक्ष ढंग से सहयोग की अपील करते हुए स्पष्ट किया था कि उनके खिलाफ जो मामला दर्ज किया गया है उसके लिए वे दोषी नहीं हैं. इस घटनाक्रम के प्रकाश में आने के बाद बुधवार को समाज सेवक और राजनीति के क्षेत्र में सक्रिय जन

प्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से बैठक कर सर्व समाज के माध्यम से इस मामले की निष्पक्ष जांच की मांग उठाने का निर्णय लिया. गुरुवार को पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंप विरोध प्रदर्शन की शुरुआत का पहला चरण सम्पन्न होना था इसी के तहत सुबह 10 बजे के आसपास बड़ी संख्या में सर्व समाज के लोग पुलिस अधीक्षक कार्यालय के बाहर इकट्ठे हुए. पहुचे जनप्रतिनिधियों ने वहां पर इस बात की मांग प्रारंभ कर दी कि पुलिस अधीक्षक स्वयं आकर ज्ञापन लें. किसी अन्य काम में व्यस्त होने के कारण पुलिस अधीक्षक ने सदस्यों को यह संदेश पहुंचाया कि सीमित संख्या में वे स्वयं कार्यालय में उपस्थित होकर अपनी मांग और ज्ञापन दे सकते हैं. कुछ देर इसी बात की रस्साकशी दोनों पक्षों के बीच में चलती रही बाद में सर्व समाज के प्रतिनिधियों ने एसपी आफिस के अन्दर जाकर ज्ञापन सौंपना पड़ा. बातचीत के दौरान पुलिस अधीक्षक ने प्राथमिक तौर पर कोई आश्वासन नहीं दिया लेकिन यह बात स्वीकार की कि वे इस मामले में पुन: जांच की व्यवस्था का प्रयास करेंगे.

इस प्रदर्शन में वरिष्ठ समाजसेवी अरुण तिवारी (खम्हरिया) शशांक सिंह बघेल सोनौरा रितेश त्रिपाठी, राजेश दुबे, विपिन त्रिपाठी, राजबहादुर मिश्रा, सचिन शुक्ला, अजय सिंह बिस्ट, पंकज शुक्ला सहित सैकड़ों लोग शामिल रहे। पूरे आंदोलन की भूमिका बनाने और सभी को एक मंच में लाने में युवा समाजसेवी शशांक सिंह बघेल की प्रमुख भूमिका रही।

अस्पताल में सुरक्षाकर्मी के साथ हुई मारपीट

थाने पहुंची शिकायत, जांच कर रही पुलिस

नवभारत न्यूज

सतना 9 अक्टूबर. जिला चिकित्सालय के आईसीयू जैसे वार्ड की संवेदनशीलता बनाए रखने के लिए सुरक्षा कर्मी द्वारा की जाने वाली रोक-टोक गुरुवार को उस समय भारी पड़ गई जब परिजनों ने उसके साथ मारपीट कर दी. जिससे पीड़ित सुरक्षा कर्मी ने कोतवाली थाने पहुंचकर मामले की शिकायत की. पुलिस द्वारा प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही है.

प्राप्त जानकारी के अनुसार उप्र के मारकुण्डी के डोडामाफी क्षेत्र के निवासी दीपक द्विदी जिला चिकित्सालय सतना में सुरक्षा कर्मी के तौर पर कार्य करते हैं. दीपक के अनुसार हर रोज की तरह वे गुरुवार की सुबह चिकित्सालय के आईसीयू फर्स्ट में तैनात थे. दीपके के अनुसार सुबह उन्होंने जैसे ही आईसीयू का गेट खोला वैसे ही दरवाजे के उस ओर खड़ी लड़की को वह लग गया. जिसे लेकर लड़की द्वारा कड़ी आपत्ति जताई गई. जिस पर दीपक ने कहा कि उसने जानबूझकर चोट नहीं पहुंचाई बल्कि अनजाने में ऐसा हो गया. लेकिन इसके बावजूद भी लड़की ने मामले को तूल देते हुए हंगामा करना शुरु कर दिया. यह देख दीपक वहां से बाहर निकल गया. दीपक के अनुसार कुछ देर बाद ही 4-5 लड़के वहां आ धमके और उन्होंने देखते ही देखते उसके साथ गाली-गलौच व मारपीट शुरु कर दी. बुरी तरह मारपीट करने के बाद लड़के वहां से भाग निकले. जिसे देखते हुए दीपक ने घटना की जानकारी सुपरवाइजर को देने के साथ ही अस्पताल चौकी में शिकायत की. जहां से उसे कोतवाली भेज दिया गया. कोतवाली पुलिस द्वारा सुरक्षाकर्मी दीपक का मेडिकल कराने के बाद प्रकरण दर्ज कर लिया गया और मामले की जांच की जा रही है. दीपक के अनुसार उक्त लड़की का परिजन आईसीयू में भर्ती था. लेकिन लड़की और उसके कुछ परिजनों द्वारा आईसीयू में बेवजह चहलकदमी और शोर गुल किया जाता था. जिसे लेकर वह उन्हें टोकने का प्रयास करता था. इसी रोकटोक के चलते लड़की ने न सिर्फ हंगामा खड़ा किया बल्कि कुछ लोगों को बुलाकर उसकी पिटाई करा दी.

सूने घर का ताला तोड़ 2 लाख चोरी

सतना 9 अक्टूबर. शहर में चोरों के हौसले इस कदर बुलंद हो चुके हैं कि सूना घर देखते ही वे धावा बोलने से बाज नहीं आ रहे हैं. नतीजतन इन दिनों हर रोज शहर में कहीं न कहीं चोरी की घटनाएं सामने आ रही हैं. इसी कड़ी में चोरों ने बरदाडीह क्षेत्र में एक सूने घर पर धावा बोलते हुए 2 लाख रु के आभूषण और नकदी पार कर दिए. सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नकटी के निवासी 39 वर्षीय राम स्वरुप कुशवाहा शहर के बरदाडही गढ़ी क्षेत्र में परिवार के साथ रहते हैं. राम स्वरुप के अनुसार 8 अक्टूबर की शाम 6 बजे वे अपने घर पर ताला लगाकर परिवार के साथ ग्राम नकटी चले गए थे. लेकिन अगले दिन सुबह पड़ोसियों ने उनके दरवाजे का कुंदा टूटा हुआ देखा. लिहाजा सूचना मिलने पर राम स्वरुप भागे भागे अपने घर पहुंच गए. उन्होंने देखा कि एक ओर जहां दरवाजे का कुंदा टूटा हुआ है वहीं घर के अंदर सारा सामान इधर उधर बिखरा हुआ है.

जगह-जगह बिक रहीं नशीली दवाएं, औषधि निरीक्षक मौन

जांच के बजाए दवा संघ की सलाह और आवभगत स्वीकराने पर अधिक ध्यान

नवभारत न्यूज

सतना 9 अक्टूबर. राज्य के छिंदवाड़ा जिले में कफ सीरप पीने के कारण अब तक 21 मासूम असमय काल के गाल में समा चुके हैं. जिसे देखते हुए राज्य भर में अमानक दवाओं की बिक्री पर कड़ी निगरानी भी की जा रही है. लेकिन आलम यह है कि एक ओर जहां सतना सहित विंध्य क्षेत्र में नशे के तौर पर इस्तेमाल होने वाली कफ सीरप और अन्य दवाओं की पहुंच पान की दुकानों तक हो चुकी है. वहीं दूसरी ओर इस इस तरह के गंभीर मामलों में औषधि निरीक्षक की भूमिका महज मौन दृष्टा के तौर पर देखी जा रही है.

सतना सहित विंध्य क्षेत्र में शायद ही ऐसा कोई दिन होता हो जब कहीं न कहीं पुलिस द्वारा नशे में इस्तेमाल होने वाली दवाओं को न पकड़ा जाता हो. नशीली दवाओं की तस्करी कर रहे लोगों के साथ-साथ घटना में प्रयुक्त लक्जरी चार पहिया वाहनों के साथ-साथ आटो व दो पहिया वाहनों तक को पुलिस द्वारा पकड़ा जाता है. आलम यह है कि नशीली दवाओं की पहुंच कुछ ढाबों, किराना दुकान और यहां तक की पानी की दुकानों तक हो चुकी है. जहां से नशे में इस्तेमाल होने वाली कफ सीरप टेबलेट्स और कैप्स्यूल बड़ी ही आसानी से खरीदे जा सकते हैं. हलांकि पुलिस द्वारा सूचना मिलने के आधार पर समय समय पर कार्रवाई की जाती है. लेकिन इस मामले में औषधि निरीक्षक प्रियंका चौबे की भूमिका पूरी तरह मौन नजर आती है. दरअसल किसी भी दवा कंपनी में दवा का उत्पादन होने के बाद से लेकर उपभोक्ता तक पहुंचने के लिए उचित प्रक्रिया अपनाई जाती है. कंपनी में दवा बनने के बाद राज्य के सी एण्ड एफ के पास पहुंचती है. वहां से सुपर स्टॉकिस्ट और स्टॉकिस्ट से होते हुए फुटकर दवा विक्रेता तक पहुंचती है. जहां से चिकित्सक द्वारा लिखे गए पर्चे के अनुसार दवाएं ग्राहक को बेची जाती हैं. लेकिन ऐसा कैसे संभव हो पाता है कि उक्त सारी प्रक्रियायों को दरकिनार करते हुए नशे में इस्तेमाल होने वाली कफ सीरप, टेबलेट्स और कैप्स्यूल खुले आम बिकते हैं. जाहिर है कि इस तरह की गंभीर अनियमितताओं की जांच और निगरानी की जिम्मेदारी औषधि निरीक्षक की होती है. लेकिन इस मामले में अब तक औषधि निरीक्षक द्वारा की जाने वाली जांच कार्रवाई महज खानापूर्ति तक ही सीमित नजर आई है.

दवा संघ का दबदबा

छिंदवाड़ा में कफ सीरप से बच्चों की मौत के मामले में राज्य शासन के निर्देशों के चलते औषधि निरीक्षक द्वारा सक्रियता दिखाते हुए जांच शुरु की गई. लेकिन यह सक्रियता महज 3 दुकानों की औपचारिक जांच करने की खाना पूर्ति तक ही सीमित नजर आई. आलम है कि उमरिया जिले का प्रभार भी औषधि निरीक्षक प्रियंका चौबे के पास है. लेकिन पिछले दो साल में उन्होंने वहां कोई जांच नहीं की. छिंदवाड़ा मामला सामने आने पर वे अचानक उमरिया पहुंची. लेकिन वहां पर उनकी जांच कार्रवाई दवा संघ की आवभगत स्वीकराने और बंद कमरे में बैठक करने तक ही सीमित नजर आई. बताया गया कि दवा संघ की सलाह पर वहां की 3 दुकानों की जांच कर औपचारिकता निभा ली गई. लगभग इसी तरह की औपचारिक कार्रवाई सतना में भी दवा संघ की सलाह पर पूरी कर ली गई.

टायर के ट्यूब में छिपाकर बेची जा रही थी शराब, आरोपी गिरफ्तार, 60 लीटर देशी शराब जब्त

नवभारत न्यूज

सतना 9 अक्टूबर. चौराहे के निकट खड़ा एक व्यक्ति और उसके पीछे रखे दो टायर ट्यूब को देखकर इस बात का अंदाजा लगाना कठिन था कि वहां पर शराब बेची जा रही होगी. लेकिन मौके पर पहुंची पुलिस ने जब जांच की तो ट्यूब के अंदर देशी हाथ भट्ठी की 60 लीटर शराब भरी पाई गई. जिसे देखते हुए पुलिस ने अवैध शराब जब्त करने के साथ ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया.

उचेहरा थाना प्रभारी सतीष मिश्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस टीम खोखर्रा चौराहे पर पहुंच गई. बाईपास खोखर्रा चौराहे पर पहुंचने पर पुलिस टीम ने देखा कि एक व्यक्ति वहां पर खड़ा है और उसके निकट बड़े टायर के दो ट्यूब रखे हुए हैं. पुलिस को देखते ही वह व्यक्ति भागने लगा. जिसे देखते हुए पुलिस की शंका प्रबल हो गई और घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया गया. पकड़े गए व्यक्ति की पहचान शोभनाथ प्रजापति पिता मुंशीलाल उम्र 25 वर्ष निवासी खोखर्रा के तौर पर हुई. वहीं जब ब्लाडर की जांच की गई तो उसमें देशी हाथ भट्ठी की शराब भरी मिली. ब्लाडर में कुल 60 लीटर शराब पाई गई. जिसकी अनुमानित कीमत 12 हजार रु आंकी गई. पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह ब्लाडर में भरकर शराब बेच रहा था. जिसे देखते हुए आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34 2 के अंतर्गत गिरफ्तार कर लिया.

डेढ़ क्विंटल महुआ जब्त-मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर मैहर जिले के ताला थाना अंतर्गत मुकुंदपुर चौकी पुलिस ने ग्राम कंदेहली में दबिश दी. जहां पर जांच के दौरान एक कच्चे मकान में प्लास्टिक के 15 लीटर वाले 18 डिब्बे रखे मिले. जिन्हें खोलकर देखा गया तो उसमें महुआ लाहन रखा हुआ था. जिसे देखते हुए पुलिस ने वहां पर मौजूद 150 किलो महुआ लाहन जब्त कर लिया. इसके साथ ही उक्त मकान में रहने वाली महिला और आस पास के लोगों को कड़ी चेतावनी दी गई कि भविष्य में इस तरह की घटना नहीं होनी चाहिए.